20-10-2022

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान मे फिजी से आये प्रतिनिधि मण्डल ने नए विकल्पों को तलाश किया

दैनिक देश मोर्चा संवाददाता
मनी वर्मा

सुश्री रेशमी कुमारी, निदेशक, योजना, नीति एवं अनुसंधान, चीनी उद्योग मंत्रालय के नेतृत्व में फिजी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा किया प्रतिनिधिमंडल द्वारा फिजी में चीनी उद्योग के आधुनिकीकरण और विकास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से सहायता प्राप्त करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए संस्थान का दौरा किया गया। प्रतिनिधि मंडल में फिजी शुगर कारपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निदेशक के अतिरिक्त फिजी के शुगर रिसर्च इंस्टिट्यूट के चेयरमैन भी शामिल रहे प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए, श्री नरेंद्र मोहन निदेशक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति प्रदान की गई उसके बाद, उन्होंने फिजी के प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग में हाल के विकास के बारे में जानकारी दी ताकि इसे वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाया जा सके उन्होंने प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग द्वारा प्रसंस्करण के दौरान ऊर्जा की खपत और चीनी के नुकसान को कम करने, गन्ना और चीनी उत्पादकता बढ़ाने, चीनी की गुणवत्ता में सुधार और चीनी उद्योग के सह-उत्पादों से कई मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने के लिए विविधीकरण के प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि. भारतीय चीनी उद्योग केवल चीनी से होने वाले राजस्व पर निर्भर होने के बजाय सह-उत्पादों के बेहतर उपयोग से मूल्य वर्धित उत्पाद बनाकर अधिक राजस्व उत्पन्न करने पर काम कर रहा है और यह मॉडल फिजी चीनी उद्योग के लिए भी लाभदायक हो सकता है प्रतिनिधियों ने शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं और व्यावसायीकरण के लिए संस्थान द्वारा विकसित नवीन तकनीकों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का दौरा किया उन्होंने चीनी के उत्पादन की समग्र लागत को कम करने के लिए किए गए तकनीकी हस्तक्षेपों के बारे में जानने में गहरी दिलचस्पी दिखाई हमारी दक्षता तुलनात्मक रूप से बहुत कम है जिसके परिणाम स्वरूप प्रसंस्करण के दौरान अधिक चीनी का नुकसान होता है और चीनी कारखानों को चलाने के लिए हमें बाहर से ईंधन लेना पड़ता है, जबकि भारतीय चीनी कारखाने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद खोई की बचत करते हैं राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है और इस प्रकार, यह संयंत्रों के आधुनिकी करण दक्षता में वृद्धि और उत्पादन की लागत को कम करने में फिजी के चीनी उद्योग की मदद कर सकता है सुश्री रेशमी कुमारी, निदेशक, योजना, नीति और अनुसंधान, चीनी उद्योग मंत्रालय ने कहा हमारे चीनी कारखानों में कार्यरत कर्मियों के ज्ञान को बढ़ाने और चीनी प्रसंस्करण और सह-उत्पाद के उपयोग में नवीनतम रुझानों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की संभावनाओं पर भी हम मिलकर कार्य करेंगे उन्होंने कहा सुश्री मार्गरेट गंगटे, निदेशक (शर्करा प्रशासन), उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार भी इस अवसर पर उपस्थित थीं जिन्होंने फिजी प्रतिनिधिमंडल को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को देखते हुए हर संभव समर्थन का आश्वासन दिया। डा सीमा परोहा, प्रो जीव रसायन ने विजिट के दौरान समन्वय स्थापित करते हुए फिजी के प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त किया।

भारतीय मॉडल फिजी चीनी उद्योग के लिए भी लाभदायक हो सकता है

चीनी उद्योग मंत्रालय के नेतृत्व में फिजी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा किया

फिजी के 4 सदस्यीय दल का दौरा कर्मियों को ट्रेनिंग-तकनीकी में सहयोग

कानपुर, 19 अक्टूबर। चीनी उद्योग मंत्रालय, नीति एवं अनुसंधान, निदेशक सुश्री रेशमी कुमारी के नेतृत्व में चार सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा किया और चीनी मिलों के आधुनिकीकरण, चीनी मिलों का आधुनिकीकरण और क्षमता बढ़ाने आदि पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधि मंडल में फिजी शुगर कारपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निदेशक के अतिरिक्त फिजी के शुगर रिसर्च इंस्टीट्यूट के चेयरमैन भी शामिल रहे। बुधवार दोपहर को एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने पत्रकारों को बताया कि फिजी में चीनी मिलों में शुगर का उत्पादन, गन्ना पैदावार काफी कम है, जिसमें वहां की चीनी मिलों का आधुनिकीकरण, कर्मियों को ट्रेनिंग के अलावा गन्ने की कटाई के बाद पेराई में लगने का समय आदि बिन्दुओं पर चर्चा की गई। साथ ही चीनी मिलों में शुगर उत्पादन के साथ ही सह उत्पादों के बारे में भी जानकारियां दी गई। उन्होंने बताया कि जल्द ही फिजी और एनएसआई के बीच एक एमओयू भी साइन होगा, जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम, फैक्ट्री की दक्षता बढ़ाने, सह उत्पाद आदि शामिल है, ताकि फिजी से आये प्रतिनिधि मंडल को सहयोग दिया जा सके। वार्ता के दौरान उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (शर्करा प्रशासन) सुश्री मार्गरेट गंगटे, डा. सीमा परोहा, प्रो. जीव रसायन आदि मौजूद रहे।

प्रो. नरेन्द्र मोहन को प्रतीक चिन्ह देते फिजी के सदस्य।

फिजी में दीपावली पर्व पर नेशनल हालीडे

कानपुर। एनएसआई में आये फिजी के चार सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि फिजी में दीवाली, होली, रक्षाबंधन, हनुमान जयंती, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सभी पर्व काफी धूमधाम से मनाये जाते है और वहां शिव मंदिर के अलावा अन्य देवी-देवाताओं की पूचा-अर्चना भी होती है। दीपावली पर्व पर नेशनल हाली डे घोषित है। इसके साथ ही प्राइमरी, जूनियर तक हिन्दी पढ़ना अनिवार्य है और बातचीत में भी हिन्दी भाषा का चलन है।

भा लागू कर सकता ह। इसका लकर अटकलें तेज हो गई हैं।

ब्योरा मांगा। विश्वास होने पर महिला द्वारा एक स्कीम हटाने के नाम पर उक्त

फ्रीज कराकर दरोगा के पूरे पैसे रिफंड कराए गए।

चीनी उद्योग मंत्रालय के 4 सदस्यीय फिजी प्रतिनिधिमंडल ने किया दौरा

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रेशमी कुमारी, निदेशक, योजना, नीति एवं अनुसंधान, चीनी उद्योग मंत्रालय के नेतृत्व में फिजी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा फिजी में चीनी उद्योग के आधुनिकीकरण और विकास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से सहायता प्राप्त करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए संस्थान का दौरा किया गया। प्रतिनिधि मंडल मे फिजी शुगर कारपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निदेशक के अतिरिक्त फिजी के शुगर प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए, नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति प्रदान की गई। उसके बाद, उन्होंने फिजी के प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग में हाल के विकास के बारे में जानकारी दी ताकि इसे वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाया जा सके। उन्होंने प्रतिनिधियों को

भारतीय चीनी उद्योग द्वारा प्रसंस्करण के दौरान ऊर्जा की खपत और चीनी के नुकसान को कम करने, गन्ना और चीनी उत्पादकता बढ़ाने, चीनी की गुणवत्ता में सुधार और चीनी उद्योग के सह-उत्पादों से कई मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने के लिए विविधीकरण के प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय चीनी उद्योग केवल चीनी से होने वाले राजस्व पर निर्भर होने के बजाय सह-उत्पादों के बेहतर उपयोग से मूल्य वर्धित उत्पाद बनाकर अधिक राजस्व उत्पन्न करने पर काम कर रहा है और यह मॉडल फिजी चीनी उद्योग के लिए भी लाभदायक हो सकता है।

प्रतिनिधियों ने शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं और व्यावसायीकरण के लिए संस्थान द्वारा विकसित नवीन तकनीकों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का दौरा किया। उन्होंने चीनी के उत्पादन की समग्र लागत को कम करने के लिए किए गए तकनीकी हस्तक्षेपों के बारे में जानने में गहरी दिलचस्पी दिखाई। हमारी दक्षता तुलनात्मक रूप से बहुत कम है जिसके परिणामस्वरूप प्रसंस्करण के दौरान अधिक चीनी का नुकसान होता है और चीनी कारखानों को चलाने के लिए हमें बाहर से ईंधन लेना पड़ता है।

दैनिक
जन सामना
कानपुर, 20 अक्टूबर 2022, गुरूवार
कानपुर महानगर

फिजी से आये प्रतिनिधिमंडल ने शर्करा संस्थान का दौरा किया

कानपुर, जन सामना संवाददाता। नए विकल्पों को खोजने के लिए शर्करा संस्थान में फिजी से आये प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान का दौरा किया। इस दौरान रेशम कुमारी, निदेशक, योजना, नीति अनुसंधान चीनी उद्योग मंत्रालय के नेतृत्व फिजी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सीजी में चीनी उद्योग के आधुनिकीकरण और विकास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से सहायता प्राप्त करने की संभावनाओं का पता लगाने की बात कही। प्रतिनिधिमंडल ने फिजी शुगर कारपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निदेशक के अतिरिक्त फिजी के शुगर रिसर्च इंस्टिट्यूट के चेयरमैन भी सम्मिलित थे।

प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक नरेंद्र मोहन निदेशक द्वारा संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति दी गई। नरेंद्र मोहन ने फिजी के प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग में हाल के विकास के बारे में जानकारी दी कि इसे वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाया जा सके।

उन्होंने प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग द्वारा प्रसंस्करण के दौरान ऊर्जा की खपत और चीनी के नुकसान को कम करने, गन्ना और चीनी उत्पादकता बढ़ाने चीनी की गुणवत्ता में सुधार और चीनी उद्योग के सह–उत्पादों से कई मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने के लिए विविधीकरण के प्रयासों के बारे में बताया।

प्रतिनिधियों ने शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं और व्यवसायीकरण के लिए संस्थान द्वारा विकसित नवीन तकनीकों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं व अन्य सुविधाओं का दौरा किया। फिजी से आए प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि हमारी दक्षता तुलनात्मक रूप से बहुत कम है जिसके परिणामस्वरूप प्रसंस्करण के दौरान अधिक चीनी का नुकसान होता है और चीनी कारखानों को चलाने के लिए हमें बाहर से ईंधन लेना पड़ता है, जबकि भारतीय चीनी कारखाने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद खोई की बचत करते हैं। संस्थान का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है और इस प्रकार यह संयंत्रों के आधुनिकीकरण, दक्षता में वृद्धि और उत्पादन की लागत को कम करने में किसी के पौनी उद्योग की मदद कर सकता है। निदेशक योजना, नीति और अनुसंधान चीनी उद्योग मंत्रालय, रेशमी कुमारी ने कहा हमारे चीनी कारखानों में कार्यरत कर्मियों के ज्ञान को बढ़ाने और चीनी प्रसंस्करण और सह उत्पाद के उपयोग में नवीनतम रुझानों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की संभावना पर भी हम मिलकर कार्य करेंगे। मागरिट गॅगटे निदेशक शर्करा प्रशासन उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय भारत सरकार भी इस अवसर पर उपस्थित रही। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को देखते हुए हर संभव समर्थन का भी आश्वासन दिया। डॉ सीमा परोहा ने फिजी से आए हुए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त किया।

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....
WWW.nagarchhaya.com
कानपुर छाया
कानपुर
20 अक्टूबर, 2022
2

फिजी के 4 सदस्यीय दल ने किया राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा

➤चीनी उद्योग के आधुनिकीकरण एवम विकास को जाना

कानपुर (नगर छाया समाचार)। सुश्री रेशमी कुमारी, निदेशक, योजना, नीति एवं अनुसंधान, चीनी उद्योग मंत्रालय के नेतृत्व में फिजी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा फिजी में चीनी उद्योग के आधुनिकीकरण और विकास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से सहायता प्राप्त करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए संस्थान का दौरा किया गया। प्रतिनिधि मंडल मे फिजी शुगर कारपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निदेशक के अतिरिक्त फिजी के शुगर रिसर्च इंस्टिट्यूट के चेयरमैन भी शामिल रहे।

प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति प्रदान की गई। उसके बाद, उन्होंने फिजी के प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग में हाल के विकास के बारे में जानकारी दी ताकि इसे वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाया जा सके। उन्होंने प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग द्वारा प्रसंस्करण के दौरान ऊर्जा की खपत और चीनी के नुकसान को कम करने, गन्ना और चीनी उत्पादकता बढ़ाने, चीनी की गुणवत्ता में सुधार और चीनी उद्योग के सह-उत्पादों से कई मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने के लिए विविधीकरण के प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय चीनी उद्योग केवल चीनी से होने वाले राजस्व पर निर्भर होने के बजाय सह-उत्पादों के बेहतर उपयोग से मूल्य वर्धित उत्पाद बनाकर अधिक राजस्व उत्पन्न करने पर काम कर रहा है और यह मॉडल फिजी चीनी उद्योग के लिए भी लाभदायक हो सकता है।

प्रतिनिधियों ने शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं और व्यावसायीकरण के लिए संस्थान द्वारा विकसित नवीन तकनीकों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का दौरा किया। उन्होंने चीनी के उत्पादन की समग्र लागत को कम करने के लिए किए गए तकनीकी हस्तक्षेपों के बारे में जानने में गहरी दिलचस्पी दिखाई।

÷हमारी दक्षता तुलनात्मक रूप से बहुत कम है जिसके परिणामस्वरूप प्रसंस्करण के दौरान अधिक चीनी का नुकसान होता है और चीनी कारखानों को चलाने के लिए हमें बाहर से ईंधन लेना पड़ता है, जबकि भारतीय चीनी कारखाने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद खोई की बचत करते हैं। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है और इस प्रकार, यह संयंत्रों के आधुनिकीकरण, दक्षता में वृद्धि और उत्पादन की लागत को कम करने में फिजी के चीनी उद्योग की मदद कर सकता है,÷ सुश्री रेशमी कुमारी, निदेशक, योजना, नीति और अनुसंधान, चीनी उद्योग मंत्रालय ने कहा हमारे चीनी कारखानों में कार्यरत कर्मियों के ज्ञान को बढ़ाने और चीनी प्रसंस्करण और सह-उत्पाद के उपयोग में नवीनतम रुझानों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की संभावनाओं पर भी हम मिलकर कार्य करेंगे, उन्होंने कहा।

सुश्री मारिट गंगटे, निदेशक (शर्करा प्रशासन), उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार भी इस अवसर पर उपस्थित थीं, जिन्होंने फिजी प्रतिनिधिमंडल को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को देखते हुए हर संभव समर्थन का आश्वासन दिया। डा. सीमा परोहा, प्रो. जीव रसायन ने विजिट के दौरान समन्वय स्थापित करते हुए फिजी के प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त किया।

सच की अहमियत

कानपुर

कानपुर चीनी उद्योग मंत्रालय की चार सदस्यीय फिजी प्रतिनिधिमंडल ने किया दौरा

आलोक ठाकुर

कानपुर। रेशमी कुमारी, निदेशक, योजना, नीति एवं अनुसंधान, चीनी उद्योग मंत्रालय के नेतृत्व में फिजी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा फिजी में चीनी उद्योग के आधुनिकीकरण और विकास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से सहायता प्राप्त करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए संस्थान का दौरा किया गया। प्रतिनिधि मंडल मे फिजी शुगर कारपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निदेशक के अतिरिक्त फिजी के शुगर

प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए, नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति प्रदान की गई। उसके बाद, उन्होंने फिजी के प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग में हाल के विकास के बारे में जानकारी दी ताकि इसे वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाया जा सके। उन्होंने प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग द्वारा प्रसंस्करण के दौरान ऊर्जा की खपत और चीनी के नुकसान को कम करने, गन्ना और चीनी उत्पादकता बढ़ाने, चीनी की गुणवत्ता में सुधार और चीनी उद्योग के सह-उत्पादों से कई मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने के लिए विविधीकरण के प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय चीनी उद्योग केवल चीनी से होने वाले राजस्व पर निर्भर होने के बजाय सह-उत्पादों के बेहतर उपयोग से मूल्य वर्धित उत्पाद बनाकर अधिक राजस्व उत्पन्न करने पर काम कर रहा है और यह मॉडल फिजी चीनी उद्योग के लिए भी लाभदायक हो सकता है। प्रतिनिधियों ने शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं और व्यावसायीकरण के लिए संस्थान द्वारा विकसित नवीन तकनीकों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का दौरा किया। उन्होंने चीनी के उत्पादन की समग्र लागत को कम करने के लिए किए गए तकनीकी हस्तक्षेपों के बारे में जानने में गहरी दिलचस्पी दिखाई। हमारी दक्षता तुलनात्मक रूप से बहुत कम है जिसके परिणामस्वरूप प्रसंस्करण के दौरान अधिक चीनी का नुकसान होता है और चीनी कारखानों को चलाने के लिए हमें बाहर से ईंधन लेना पड़ता है, जबकि भारतीय चीनी कारखाने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद खोई की बचत करते हैं। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है और इस प्रकार, यह संयंत्रों के आधुनिकीकरण, दक्षता में वृद्धि और उत्पादन की लागत को कम करने में फिजी के चीनी उद्योग की मदद कर सकता है, रेशमी कुमारी, निदेशक, योजना, नीति और अनुसंधान, चीनी उद्योग मंत्रालय ने कहा। हमारे चीनी कारखानों में कार्यरत कर्मियों के ज्ञान को बढ़ाने और चीनी प्रसंस्करण और सह-उत्पाद के उपयोग में नवीनतम रुझानों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की संभावनाओं पर भी हम मिलकर कार्य करेंगे, उन्होंने कहा। मारिट गंगटे, निदेशक (शर्करा प्रशासन), उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार भी इस अवसर पर उपस्थित थीं, जिन्होंने फिजी प्रतिनिधिमंडल को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को देखते हुए हर संभव समर्थन का आश्वासन दिया। डा सीमा परोहा, प्रो जीव रसायन ने विजिट के दौरान समन्वय स्थापित करते हुए फिजी के प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त किया।

फिजी शुगर इंडस्ट्री और मंत्रालय की टीम ने सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के निदेशक संग किया एनएसआई का भ्रमण

अब कानपुर से चीनी बनाना सीखेगा फिजी

उपलब्धि

कानपुर,वरिष्ठ संवाददाता। फिजी अब कानपुर से चीनी व मिलों में बनने वाले सह-उत्पाद बनाना सीखेगा। इसको लेकर फिजी के चीनी उद्योग मंत्रालय की निदेशक रेशमी कुमारी की अगुवाई में शुगर इंडस्ट्री के विशेषज्ञों वाली चार सदस्यीय टीम ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का भ्रमण किया। टीम ने अपनी समस्याएं बताने के साथ संस्थान की अत्याधुनिक तकनीक और लैब को देखा। विशेषज्ञों के मुताबिक दोनों देशों के बीच प्रशिक्षण देने, फैक्ट्री व फॉर्म की क्षमता बढ़ाने और सहउत्पाद को बढ़ाकर आमदनी बढ़ाने पर मंथन हुआ और जल्द इसको लेकर समझौता होगा।

संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन के साथ भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की निदेशक (शर्करा प्रशासन) मागरिट गंगटे फिजी के प्रतिनिधि मंडल ने

फिजी शुगर इंडस्ट्री व मंत्रालय की टीम ने सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के निदेशक संग किया एनएसआई का भ्रमण।

तकनीकियों को समझा। रेशमी कुमारी ने बताया कि अभी तीन चीनी मिल कार्यरत हैं। जहां चार से छह हजार टन गन्ना पेरने की क्षमता है। फिजी 80 फीसदी चीनी निर्यात करता है। प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि फिजी में फैक्ट्री के साथ फॉर्म में भी उत्पादन कम है। देश में 80 टन प्रति हेक्टेयर गन्ना होता है, जबकि फिजी में यह सिर्फ 40 से 50 टन प्रति हेक्टेयर है। मिट्टी की गुणवत्ता, गन्ने की प्रजाति आदि पर भी शोध की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि फिजी में चीनी मिलों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सह-उत्पाद पर काम करना जरूरी है। रेशमी कुमारी ने कहा कि प्रतिनिधि मंडल आपस में मंथन करने के बाद मंत्रालय में चर्चा कर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के साथ समझौता करेगा। मागरिट गंगटे ने कहा कि फिजी में अधिकांश भारतीय मूल के लोग रहते हैं। वहां, शुगर इंडस्ट्री को बढ़ावा देने का पूरा प्रयास किया जाएगा। फिजी के प्रतिनिधि मंडल में फिजी शुगर कार्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निदेशक के अलावा फिजी शुगर रिसर्च इंस्टीट्यूट के चेयरमैन और संस्थान की डॉ. सीमा परोहा आदि रहे।

हिन्दुस्तान जैसी संस्कृति संग दुर्गा, शिव व राम का भक्त है फिजी

- हिन्दुस्तानियों को मानते हैं पूर्वज, शिवरात्रि से हनुमान जयंती मनती
- आठवीं कक्षा तक हिन्दी अनिवार्य तो दिवाली है राष्ट्रीय त्योहार

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। भारत से फिजी की दूरी 11600 किमी। सात समंदर पार होने के बावजूद फिजी में हिन्दुस्तान की भांति संस्कृति-सभ्यता से लोग जीते हैं तो दुर्गा, शिव, राम व कृष्ण के भक्त हैं। मंदिरों में पूजा करते हैं तो शिवरात्रि से लेकर हनुमान जयंती तक मनाते हैं। यह बात फिजी से आईं चीनी उद्योग मंत्रालय की योजना, नीति व अनुसंधान की निदेशक रेशमी कुमारी ने आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान से साझा की। कहा, फिजीवासी हिन्दुस्तानियों को अपना पूर्वज मानते हैं क्योंकि करीब 10 लाख की आबादी वाले देश में 5 लाख आबादी भारतीय मूल के लोगों की है।

फिजी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि वहां अधिकतर लोग हिन्दी बोलते हैं, जिसकी भाषा काफी हद तक लखनऊ के समान है। वहां कक्षा आठ तक हिन्दी अनिवार्य है और विश्वविद्यालय में भी शिक्षा हिन्दी भाषा में की जा सकती है। फिजी का राष्ट्रीय त्योहार भी दीपावली है। रेशमी कुमारी ने बताया कि यहां सभी मंदिर हैं, जिसमें अलग-अलग भगवानों की मूर्तियां लगी हैं व पूजा की जाती है। नवरात्रि से लेकर हनुमान जयंती में लोग व्रत रखते हैं।

Gangte assures Fiji delegation of support

PNS ■ KANPUR

Margaret Gangte, Director (Sugar Administration), Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution, Government of India, while addressing a high level meeting at National Sugar Institute (NSI) on Wednesday assured the Fiji delegation of all possible support looking to bilateral relations between the two countries. The four-member delegation from Fiji was headed by Reshmi Kumari, Director, Planning, Policy and Research, Ministry of Sugar Industry. The delegation also included Chief Executive Officer, Fiji Sugar Corporation and Chairman, Sugar Research Institute of Fiji was also present and explored possibilities of seeking NSI assistance in modernisation and development of sugar industry in Fiji.

Director of NSI, Prof Narendra Mohan while welcoming the delegates, presented the activities of the Institute and briefed the delegates from Fiji about recent developments in Indian sugar industry for making it financially sustainable. He informed the delegates about the measures taken by the Indian sugar industry to reduce energy consumption and losses of sugar during processing, enhance sugarcane and sugar productivity, sugar quality improvement and diversification for making many value-added products from the by-products of the sugar industry.

He said the Indian sugar industry was working on generating more revenue streams through utilisation of byproducts in an innovative manner rather than depending on the revenue from sugar only and this model may be beneficial for Fiji sugar industry as well.The delegates visited various laboratories and other facilities of the NSI to get first-hand information about academic and research facilities and also innovative technologies developed by the Institute for commercialisation. They also showed keen interest to know about technological interventions made to reduce overall cost of production of sugar.

Prof Mohan said efficiencies were much lower resulting in higher sugar losses during processing and to run sugar factories NSI had to source the fuel from outside, whereas, Indian sugar factories save bagasse after meeting their own requirements.

He said the NSI had a proven track record and can help Fiji sugar industry in modernisation of plants, thus, increasing efficiency and reducing cost of production.

Reshmi Kumari said efforts will also to explore possibilities to conduct training programmes for sugar factory personnel to refresh their knowledge and make them aware about latest trends in sugar processing and byproduct utilisation.

फिजी शर्करा संस्थान का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा कानपुर

दैनिक वरदान पंकज अवस्थी

कानपुर। शर्करा संस्थान में फिजी से आये प्रतिनिधिमंडल ने नए विकल्पों को तलाश किया। विकल्पों को खोजने के लिए रेशम कुमारी, निदेशक, योजना, नीति अनुसंधान चीनी उद्योग मंत्रालय के नेतृत्व फिजी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा किया । प्रतिनिधिमंडल द्वारा सीजी में चीनी उद्योग के आधुनिकीकरण और विकास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से सहायता प्राप्त करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए संस्थान का दौरा किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने फिजी शुगर कारपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निदेशक के अतिरिक्त फिजी के शुगर रिसर्च इंस्टिट्यूट के चेयरमैन भी सम्मिलित हुए ।प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए

नरेंद्र मोहन निदेशक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर द्वारा संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति दी गई।

नरेंद्र मोहन ने फिजी के प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग में हाल के विकास के बारे में जानकारी दी कि इसे वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाया जा सके। उन्होंने प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग द्वारा प्रसंस्करण के दौरान ऊर्जा की खपत और चीनी के नुकसान को कम करने, गन्ना और चीनी उत्पादकता बढ़ाने चीनी की गुणवत्ता में सुधार और चीनी उद्योग के सह-उत्पादों से कई मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने के लिए विविधीकरण के प्रयासों के बारे में बताया। प्रतिनिधियों ने शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं और व्यवसायीकरण के लिए संस्थान द्वारा विकसित नवीन तकनीकों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं व अन्य सुविधाओं का दौरा किया।

फिजी से आए प्रतिनिधिमंडल ने कहा किप्हमारी दक्षता तुलनात्मक रूप से बहुत कम है जिसके परिणामस्वरूप प्रसंस्करण के दौरान अधिक चीनी का नुकसान होता है और चीनी कारखानों को चलाने के लिए हमें बाहर से ईंधन लेना पड़ता है, जबकि भारतीय चीनी कारखाने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद खोई की बचत करते हैं। मागरिट गॅगटे निदेशक शर्करा प्रशासन उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय भारत सरकार भी इस अवसर पर उपस्थित रही। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को देखते हुए हर संभव समर्थन का भी आश्वासन दिया। डॉ सीमा परोहा ने फिजी से आए हुए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त किया।

शर्करा संस्थान पहुंचा फिजी प्रतिनिधिमंडल मिलकर काम करने की सहमति बनी

नगराज दर्पण समाचार

कानपुर। फिजी प्रतिनिधिमंडल द्वारा फिजी में चीनी उद्योग के आधुनिकीकरण और विकास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से सहायता प्राप्त करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए संस्थान का दौरा किया गया। प्रतिनिधि मंडल मे फिजी शुगर कारपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निदेशक के अतिरिक्त फिजी के शुगर रिसर्च इंस्टिट्यूट के चेयरमैन भी शामिल रहे।प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन संस्थान की गतिविधियों के बारे मैं एक प्रस्तुति प्रदान की गई। उसके बाद, उन्होंने फिजी के प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग में हाल के विकास के बारे में जानकारी दी ताकि इसे वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाया जा सके। उन्होंने प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग द्वारा प्रसंस्करण के दौरान ऊर्जा की खपत और चीनी के नुकसान को कम करने, गन्ना और चीनी उत्पादकता बढ़ाने, चीनी की गुणवत्ता में सुधार और चीनी उद्योग के सह-उत्पादों से कई मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने के लिए विविधीकरण के प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय चीनी उद्योग केवल चीनी से होने वाले राजस्व पर निर्भर होने के बजाय सह-उत्पादों के बेहतर उपयोग से मूल्य वर्धित उत्पाद बनाकर अधिक राजस्व उत्पन्न करने पर काम कर रहा है और यह मॉडल फिजी चीनी उद्योग के लिए भी लाभदायक हो सकता है।प्रतिनिधियों ने शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं और व्यावसायीकरण के लिए संस्थान द्वारा विकसित नवीन तकनीकों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का दौरा किया। उन्होंने चीनी के उत्पादन की समग्र लागत को कम करने के लिए किए गए तकनीकी हस्तक्षेपों के बारे में जानने में गहरी दिलचस्पी दिखाई। हमारी दक्षता तुलनात्मक रूप से बहुत कम है जिसके परिणामस्वरूप प्रसंस्करण के दौरान अधिक चीनी का नुकसान होता है और चीनी कारखानों को चलाने के लिए हमें बाहर से ईंधन लेना पड़ता है, जबकि भारतीय चीनी कारखाने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद खोई की बचत करते हैं। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है और इस प्रकार, यह संयंत्रों के आधुनिकीकरण, दक्षता में वृद्धि और उत्पादन की लागत को कम करने में फिजी के चीनी उद्योग की मदद कर सकता है, सुश्री रेशमी कुमारी, निदेशक, योजना, नीति और अनुसंधान, चीनी उद्योग मंत्रालय ने कहा हमारे चीनी कारखानों में कार्यरत कर्मियों के ज्ञान को बढ़ाने और चीनी प्रसंस्करण और सह-उत्पाद के उपयोग में नवीनतम रुझानों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की संभावनाओं पर भी हम मिलकर कार्य करेंगे, उन्होंने कहा मार्गरेट गंगटे, निदेशक (शर्करा प्रशासन), उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार भी इस अवसर पर उपस्थित थीं ।जिन्होंने फिजी प्रतिनिधिमंडल को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को देखते हुए हर संभव समर्थन का आश्वासन दिया। डा

फिजी को गुणवत्तायुक्त चीनी बनाना सिखायेगा शर्करा संस्थान

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान अब फिजी को गुणवत्तायुक्त चीनी व अन्य उत्पाद बनाना सिखाएगा। इसके साथ ही शर्करा संस्थान फिजी को चीनी से जुड़े अन्य उत्पाद बनाने की तकनीक भी सिखाएगा। फिजी के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को शर्करा संस्थान का दौरा किया। इस दौरान एनएसआई और फिजी के प्रतिनिधिमंडल ने एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किये।

भारत सरकार के चीनी उद्योग मंत्रालय की निदेशक योजना, नीति और अनुसंधान रेशमा कुमारी के नेतृत्व में फिजी का चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान पहुंचा। यहां संस्थान के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने संस्थान की ओर से एक प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि फिजी के चीनी उद्योग और गन्ना उत्पादन का अध्ययन यह बताता है कि वहां चीनी उद्योग प्रसंस्करण के दौरान बिजली ज्यादा खपत अपेक्षाकृत अधिक होती है। इसी तरह उत्पादन के दौरान होने वाला नुकसान भी भारत के मुकाबले फिजी की चीनी मिलों में कहीं अधिक है। यही नहीं फिजी में प्रति हेक्टेयर गन्ना का उत्पादन भी आधा ही है। शर्करा संस्थान फिजी को इन सभी

फिजी के प्रतिनिधि मंडल के साथ राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन। फोटो : एसएनबी

फिजी के प्रतिनिधि मंडल ने किया शर्करा संस्थान का दौरा

समस्याओं से उबरने में मदद देगा। साथ ही फिजी के चीनी उद्योग को चीनी के सह उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जायेगा।

प्रो.नरेन्द्र मोहन ने बताया कि जल्द ही शर्करा संस्थान के विशेषज्ञों की एक टीम फिजी जायेगी, जो वहां के चीनी उद्योग से जुड़े लोगों को अधिक बिजली खपत व उत्पादन में नुकसान को कम करने के तरीके बताने के साथ ही उत्पादन बढ़ाने की तकनीक भी बतायेगी। इसके साथ ही फिजी के छात्रों को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान बुला कर उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जायेगा ताकि फिजी में चीनी का उत्पादन बढ़ाया जा सके। फिजी के प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान का दौरा कर नवीन तकनीकों, यहां शैक्षणिक सुविधाओं और अनुसंधान सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली।

इस दौरान फिजी शुगर कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निदेशक, फिजी के शुगर रिसर्च इंस्टीट्यूट के चेयरमैन, भारत के खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की निदेशक शर्करा प्रशासन मार्गरेट गंगटे ; संस्थान में जीव विज्ञान विभाग की डॉ.सीमा परोहा और कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी महेन्द्र कुमार यादव आदि थे।

कवायद चीनी मिलों की तकनीक व विशेषज्ञों की दक्षता बढ़ाई जाएगी, फिजी के चार सदस्यीय दल ने एनएसआई का किया निरीक्षण

एनएसआई के सहयोग से फिजी में बढ़ेगी चीनी की उपज

अमृत विचार, कानपुर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के सहयोग से फिजी में चीनी का उत्पादन बढ़ाया जाएगा। वहां की मिलों की तकनीक बेहतर होगी, जबकि विशेषज्ञों की दक्षता और कौशल में इजाफा किया जाएगा। बुधवार को फिजी के चार सदस्यीय दल ने संस्थान का निरीक्षण किया। यहां चल रहे प्रोजेक्ट और प्रदूषण मुक्त इकाईयों का अवलोकन किया। जल्द ही दोनों देशों के मंत्रालय के बीच एमओयू साइन किया जा सकता है। वहां के छात्र-छात्राएं एनएसआई में आकर पढ़ाई करेंगे, जबकि चीनी उद्योगों से जुड़े विशेषज्ञ प्रशिक्षण लेंगे।

एनएसआई में निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन के साथ फिजी से आया प्रतिनिधिमंडल।

फीजी के चीनी मंत्रालय की योजना, नीति और अनुसंधान निदेशक रेशमा कुमारी के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम ने एनएसआई का निरीक्षण किया, जिसमें फिजी शुगर कारपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निदेशक और शुगर रिसर्च इंस्टीट्यूट के चेयरमैन शामिल रहे। एनएसआई निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने टीम को चीनी मिलों की तकनीक, ऊर्जा की खपत, गन्ना व चीनी उत्पादन बढ़ाने, गन्ने के सह उत्पादों की जानकारी दी। उन्हें बताया कि किस तरह से भारत में चीनी उद्योग गन्ने की खोई और अन्य पदार्थों से मूल्यवर्धित वस्तुएं तैयार कर मुनाफा कमा रहे हैं। इथेनॉल का उत्पादन किया जा रहा है। फीजी की अनुसंधान निदेशक ने बताया कि चीनी मिलों में उत्पादन के दौरान काफी मात्रा में चीनी का नुकसान होता है। कारखानों के संचालन के लिए बाहर से ईंधन लेना पड़ता है। इस अवसर पर खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उपभोक्ता मामले की निदेशक मार्गरेट गंगटे भी मौजूद रहीं। उन्होंने फिजी के प्रतिनिधि मंडल को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया।

फिजी के छात्रों के लिए कोर्स होंगे संचालित

प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि फिजी के छात्रों के लिए संस्थान में कोर्स संचालित किए जाएंगे। उन्हें एनएसआई में चल रहे विभिन्न कोर्स में दाखिला दिया जाएगा। वहां की चीनी मिलों के विशेषज्ञों को प्रशिक्षित किया जाएगा। चीनी मिलों की तकनीक विकसित की जाएगी।

चीनी उद्योग मंत्रालय की 4 सदस्यीय फिजी प्रतिनिधिमंडल ने किया दौरा

आनंदी मेल संवाददाता

कानपुर। रेशमी कुमारी, निदेशक, योजना, नीति एवं अनुसंधान, चीनी उद्योग मंत्रालय के नेतृत्व में फिजी के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल द्वारा फिजी में चीनी उद्योग के आधुनिकीकरण और विकास में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से सहायता प्राप्त करने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए संस्थान का दौरा किया गया। प्रतिनिधि मंडल में फिजी शुगर कारपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निदेशक के अतिरिक्त फिजी के शुगर प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए, नरेंद्र मोहन, निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति प्रदान की गई। उसके बाद, उन्होंने फिजी के प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग में हाल के विकास के बारे में जानकारी दी ताकि इसे वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाया जा सके। उन्होंने प्रतिनिधियों को भारतीय चीनी उद्योग द्वारा प्रसंस्करण के दौरान ऊर्जा की खपत और चीनी के नुकसान को कम करने, गन्ना और चीनी उत्पादकता बढ़ाने, चीनी की गुणवत्ता में सुधार और चीनी उद्योग के सह-उत्पादों से कई मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने के लिए विविधीकरण के प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय चीनी उद्योग केवल चीनी से होने वाले राजस्व पर निर्भर होने के बजाय सह-उत्पादों के बेहतर उपयोग से मूल्य वर्धित उत्पाद बनाकर अधिक राजस्व उत्पन्न करने पर काम कर रहा है और यह मॉडल फिजी चीनी उद्योग के लिए भी लाभदायक हो सकता है। प्रतिनिधियों ने शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं और व्यावसायीकरण के लिए संस्थान द्वारा विकसित नवीन तकनीकों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का दौरा किया। उन्होंने चीनी के उत्पादन की समग्र लागत को कम करने के लिए किए गए तकनीकी हस्तक्षेपों के बारे में जानने में गहरी दिलचस्पी दिखाई। हमारी दक्षता तुलनात्मक रूप से बहुत कम है जिसके परिणामस्वरूप प्रसंस्करण के दौरान अधिक चीनी का नुकसान होता है और चीनी कारखानों को चलाने के लिए हमें बाहर से ईंधन लेना पड़ता है, जबकि भारतीय चीनी कारखाने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद खोई को बचत करते हैं। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का एक सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है और इस प्रकार, यह संयंत्रों के आधुनिकीकरण, दक्षता में वृद्धि और उत्पादन की लागत को कम करने में फिजी के चीनी उद्योग की मदद कर सकता है,ष् रेशमी कुमारी, निदेशक, योजना, नीति और अनुसंधान, चीनी उद्योग मंत्रालय ने कहा। हमारे चीनी कारखानों में कार्यरत कर्मियों के ज्ञान को बढ़ाने और चीनी प्रसंस्करण और सह-उत्पाद के उपयोग में नवीनतम रुझानों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की संभावनाओं पर भी हम मिलकर कार्य करेंगे, उन्होंने कहा। मार्गरेट गंगटे, निदेशक (शर्करा प्रशासन), उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार भी इस अवसर पर उपस्थित थीं, जिन्होंने फिजी प्रतिनिधिमंडल को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को देखते हुए हर संभव समर्थन का आश्वासन दिया। डा सीमा परोहा, प्रो जीव रसायन ने विजिट के दौरान समन्वय स्थापित करते हुए फिजी के प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त किया।

फिजी को खेत से मिल तक की विधियां बताएगा एनएसआई

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) फिजी को गन्ना की पैदावार बढ़ाने से लेकर मिल में चीनी उत्पादन की तकनीक बताएगा। साथ ही वहां के शर्करा उद्योग के आधुनिकीकरण में सहयोग करेगा।

बुधवार को फिजी के चीनी उद्योग मंत्रालय की निदेशक योजना, नीति एवं अनुसंधान रेशमी कुमारी की अगुवाई में चार सदस्यीय टीम ने एनएसआई का दौरा किया। इस मौके पर केंद्र सरकार की निदेशक (शर्करा प्रशासन) मार्गरेट गंगटे भी मौजूद रहीं। तीन बिंदुओं पर एनएसआई और फिजी के टीम के बीच सहमति बनी। इस संबंध में दोनों देशों के बीच करार होगा। एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि फिजी में गन्ने की पैदावार और चीनी के उत्पादन में कमी है। शर्करा उद्योग के आधुनिकीकरण और विभिन्न तकनीकों से स्थिति को सुधारा जा सकता है।

टीम ने देखी एनएसआई की तकनीक, मूल्यवर्धित उत्पादों के बारे में जानकारी ली

प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि फिजी की टीम के साथ जिन बिंदुओं पर सहमति बनी है, उनमें प्रशिक्षित मानव शक्ति उपलब्ध कराना है। वहां के स्टाफ को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन कार्यक्रम होंगे। एनएसआई की टीम फिजी जाकर वहां शर्करा उद्योग की कमियों का अध्ययन करेगी। कमियों को दूर करके आधुनिकीकरण किया जाएगा। गन्ने से चीनी के अलावा बनने वाले सह उत्पादों की विधियां बताई जाएंगी। मूल्यवर्धित उत्पादों की तकनीक बताई जाएगी। टीम ने एनएसआई की प्रयोगशालाओं को जाकर देखा। इस मौके पर शुगर रिसर्च इंस्टीट्यूट आफ फिजी के चेयरमैन प्रकाश जी चांद, प्रोफेसर डी. स्वेन, डॉ. सीमा परोहा आदि रहीं।

Link for e*Papers*

- फिजी शर्करा संस्थान का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा कानपुर
- फिजी शर्करा संस्थान का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा कानपुर
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान मे फिज़ी से आये प्रतिनिधि मण्डल ने नए विकल्पों को तलाश किया
- सुश्री रेशमी कुमारी, निदेशक, योजना, नीति एवं अनुसंधान
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के सहयोग से फिजी देश बनाएगा अच्छी चीनी
- कानपुर: प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का किया दौरा, जानिए क्या हैं उपलब्धि